जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

18 सितंबर 2023

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप पर गोलमेज सम्मेलन का आयोजन

सेंटर फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (CIE), जामिया मिल्लिया इस्लामिया (JMI) ने इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप पर एक प्रतिष्ठित गोलमेज सम्मेलन की मेजबानी की। विश्वविद्यालय के मीर अनीस हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जामिया की कुलपति प्रोफेसर नजमा अख्तर (पद्मश्री) की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस विशेष सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों के लगभग दो दर्जन प्रसिद्ध संगठनों के सीईओ, निदेशक और प्रमुख एकत्र हुए। इस आयोजन का उद्देश्य नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से लगे प्रमुख हितधारकों के लिए एक साथ आने और सहयोग करने के लिए एक गतिशील मंच तैयार करना था। इस सभा में सर्वोपरि महत्व के विषयों पर गहन चर्चाओं और सार्थक विचार-विमर्श किया गया।

गोलमेज़ सम्मेलन के उद्देश्यों में शामिल हैं:
ज्ञान के आदान-प्रदान को सुगम बनाना: इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए भाग लेने वाले संस्थानों के बीच विचारों, अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना।

सहयोगात्मक पहल को मजबूत करना: स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए सहयोग, संयुक्त परियोजनाओं और अनुसंधान साझेदारी के अवसरों की खोज करना।

नेटवर्किंग के अवसर बनाना: नेटवर्किंग के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करना, प्रतिभागियों को संभावित सलाहकारों, निवेशकों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ मूल्यवान संबंध स्थापित करने में सक्षम बनाना।

सफलता की कहानियाँ प्रदर्शित करें: संबंधित संगठनों द्वारा पोषित स्टार्ट-अप और उद्यमियों की सफलता की कहानियों का जश्न मनाना और प्रदर्शित करना, दूसरों को उनकी उद्यमशीलता महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करना।

सम्मेलन में निम्नलिखित विषयों पर विचारोत्तेजक गोलमेज चर्चाएँ हुईं:

1) उच्च शिक्षा संस्थानों में इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देना
2) प्रभावी ऊष्मायन और त्वरण कार्यक्रम का निर्माण
3) एक बेहतर स्टार्ट-अप इकोसिस्टम बनाने में सहयोग का लाभ उठाना

कार्यक्रम के दौरान प्रतिष्ठित वक्ताओं, अपने-अपने क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने अपनी बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। वक्ता के रूप में सम्मेलन की शोभा बढ़ाने वाले कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों में शामिल हैं:

श्री प्रवीण कुमार, एक अनुभवी आईटी व्यवसायी और संयुक्त निदेशक, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया, भारत सरकार।

श्री ध्रुव कुमार, सीईओ, एएनडीसी इनक्यूबेशन सेंटर, आचार्य नारायण देव कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय।

सुश्री मीनाक्षी गुप्ता जैन, परियोजना निदेशक, महिला कार्य कार्यक्रम, दिल्ली सरकार और DSEU और स्टार्टअप संस्थापक।

श्री अहमद सईद सऊद, स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट कंसल्टेंसी ग्रुप, 'मास क्लाइंब' के संस्थापक।

श्री अमित सिन्हा, प्रधान सलाहकार, कृषि वित्त निगम लिमिटेड।

श्री अजीत निगम, विश्वविद्यालयों के भीतर जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम स्थापित करने में अग्रणी व्यक्ति हैं और वर्तमान में निफ्ट, दिल्ली में कार्यरत हैं।

सुश्री अंबिका बिस्ला, महिला सशक्तिकरण के जुनून के साथ एक अनुभवी वित्त व्यवायी और डीआईआईसीई, दिल्ली सरकार की पूर्व सीईओ।

श्री मुहम्मद अनस, भारत की पहली एआई-ऑन-एज ड्रोन कंपनी एनॉर्ड के संस्थापक और सीईओ।

डॉ. सलमान असद, सूचना प्रौद्योगिकी और सेवा उद्योग में एक मजबूत पृष्ठभूमि वाले एक अनुभवी मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं।

सुश्री सुहानी कुमार, इन्वेस्ट इंडिया में वरिष्ठ निवेश विशेषज्ञ और स्टार्टअप इंडिया में प्रबंधक।

श्री सब्बर तौसीफ, एलियोस मैनेजमेंट कंसल्टिंग के प्रबंध निदेशक और सीईओ।

श्री एस.एम. रौनाक मुस्तफा, कॉर्पोरेटवेंचरक्लब.कॉम और इंडो अरब एंजेई नेटवर्क.कॉम के संस्थापक और आईआईएम लखनऊ इनक्यूबेशन सेंटर के पूर्व सीईओ।

डॉ. तारक गोराडिया, उद्यमिता और डिजाइन सोच के जुनून के साथ एक समर्पित शिक्षक हैं।

डॉ. वी के अरोड़ा, उद्यमिता और स्टार्टअप में विविध कौशल के साथ एक अनुभवी पेशेवर और सीईओ, अन्वेषण फाउंडेशन, आईजीडीटीयूडब्ल्यू, दिल्ली सरकार के रूप में कार्यरत हैं।

श्री विनय चड्ढा, जीवीसी सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और सीईओ, एक प्रतिष्ठित इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद डेवलपर।

सम्मेलन में जामिया और दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों ने भी भाग लिया और सम्मेलन के विषयों पर अपने इनपुट दिए।

जामिया की कुलपति प्रोफेसर नजमा अख्तर ने इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए 2047 तक भारत की आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं के बारे में बात की।

इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप पर गोलमेज सम्मेलन ने इनोवेशन को बढ़ावा देने, उद्यमिता को बढ़ावा देने और उज्जवल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने के लिए इन दूरदर्शी नेताओं और संगठनों की प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में कार्य किया। इस सम्मेलन में उद्योग, शिक्षा जगत और सरकार के बीच सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। विभाग संसाधनों को साझा करेंगे और देश के युवाओं के बीच इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देंगे।

सभी प्रतिनिधियों द्वारा सम्मेलन की अत्यधिक सराहना की गई और इसे उद्यमिता शिक्षा में नवीन प्रथाओं के विकास के लिए उत्प्रेरक माना गया।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया